"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'
नई दिल्लीः आश्विन **25, 1944**
सोमवारः 17 अक्तूबर 2022

'पाथ टू प्राइड': विशेष रूप से भारतीय कंपनियों के लिए अब तक का सबसे बड़ा डेफएक्सपो, कल गुजरात के गांधीनगर में शुरू होगा

'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' परिकल्पना को साकार करने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग के बढ़ते कौशल को प्रदर्शित करने हेतु पांच दिवसीय कार्यक्रम: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 19 अक्तूबर को उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगे

डेफएक्सपो 2022 के दौरान 451 समझौता ज्ञापन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) अनुबंध और उत्पाद लॉन्च की उम्मीद

भारत-अफ्रीका रक्षा संवाद और हिंद महासागर क्षेत्र प्लस कॉन्क्लेव का उद्देश्य शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना और नई रक्षा तथा औद्योगिक साझेदारी स्थापित करना है: रक्षा मंत्री

'रक्षा के लिए निवेश' प्रख्यात उद्योगपतियों के लिए रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी प्रणाली के विकास की दिशा में सरकार के प्रयासों में योगदान करने का एक मंच

सजीव प्रदर्शन, अन्य प्रमुख कार्यक्रमों में अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन शो और पोत का दौरा

गुजरात की राजधानी गांधीनगर 18 से 22 अक्तूबर 2022 के बीच भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा प्रदर्शनी- डेफएक्सपो 2022 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस कार्यक्रम का 12वां संस्करण 'पाथ टू प्राइड'

विषयवस्तु पर आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 19 अक्तूबर को उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

गांधीनगर में 17 अक्तूबर को पूर्वावलोकन/कर्टेन रेजर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, डेफएक्सपो 2022 घरेलू रक्षा उद्योग के बढ़ते कौशल का प्रदर्शन करेगा, जो प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' को साकार करने के राष्ट्र के संकल्प के प्रमुख संचालकों में से एक है। इस द्विवार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन मित्र देशों की जरूरतों को पूरा करते हुए घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के समग्र उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्रों हेतु भारतीय और वैश्विक ग्राहकों के साथ साझेदारी का समर्थन, प्रदर्शन और साझेदारी बनाने के लिए किया गया है।

श्री राजनाथ सिंह ने डेफएक्सपो 2022 को विशेष रूप से भारतीय कंपनियों के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'आत्मनिर्भर भारत' की विनम्र श्रद्धांजलि बताया, जो स्वदेशी आंदोलन के स्तंभ थे। उन्होंने कहा, "अमृत काल के दौरान डेफएक्सपो 2022 अगले 25 वर्षों में रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल होने के भारत के संकल्प को दर्शाता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व में, रक्षा क्षेत्र ने रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्साह और समर्पण के साथ 'पाथ टू प्राइड' पर विशाल प्रगति की है। हम वैश्विक स्तर पर डिजाइन, विकास और विनिर्माण में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हम सबसे बड़े रक्षा आयातक से शुद्ध निर्यातक बनने तक की परिवर्तनकारी यात्रा देख रहे हैं। यह डेफएकस्पो इस यात्रा की गति को और तेज करेगा।

रक्षा मंत्री ने 'पाथ टू प्राइड' को न केवल डेफएक्सपो 2022 की विषयवस्तु बताया, बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' को 'नए भारत' की परिकल्पना बताया। उन्होंने इसे एक सतत प्रक्रिया बताया जिसमें सभी हितधारक- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, एमएसएमई, शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप और अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान- दुनिया को अभिनव विचार और अत्याधुनिक उत्पाद प्रदान करने के उद्देश्य से मिलकर काम करते हैं।

रिकॉर्ड स्तर का पंजीकरण

एक लाख वर्गमीटर (पिछला संस्करण 76,000 वर्गमीटर) के अब तक के सबसे बड़े कुल क्षेत्र में आयोजित और 1,340 कंपनियों के रिकॉर्ड पंजीकरण के साथ, डेफएक्सपो 2022 अब तक की सबसे बड़ी रक्षा प्रदर्शनी होने के लिए तैयार है। पहली बार इस कार्यक्रम का आयोजन चार स्थलों के प्रारूप में किया गया है। उद्घाटन समारोह और सेमिनार महात्मा मंदिर कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किए जाएंगे; हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र में प्रदर्शनी; साबरमती रिवर फ्रंट पर सजीव प्रदर्शन और पोरबंदर में आमजन के लिए पोत का दौरा। पहले तीन दिन (18 से 20 अक्तूबर) व्यावसायिक दिन होंगे जबकि अंतिम दो दिन (21 और 22 अक्तूबर) आमजन के लिए आरक्षित किए गए हैं।

भारतीय कंपनियों के लिए डेफएकस्पो

डेफएकस्पो 2022 विशेष रूप से भारतीय कंपनियों के लिए पहला संस्करण होगा। भारतीय कंपनियों, विदेशी ओईएम की भारतीय सहायक कंपनियों, भारत में पंजीकृत कंपनी का प्रभाग, भारतीय कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम रखने वाले प्रदर्शक को भारतीय भागीदार माना जाएगा। डेफएकस्पो 2022 में सात नई रक्षा कंपनियों के गठन का एक साल पूरा होने का समारोह भी होगा, जिन्हें पूर्ववर्ती आयुध निर्माणी बोर्ड से अलग किया गया था। ये सभी कंपनियां पहली बार डेफएक्सपो में हिस्सा लेंगी। 20 अक्तूबर को बंधन समारोह के दौरान समझौता ज्ञापन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण अनुबंध और उत्पाद लॉन्च के संदर्भ में 451 की साझेदारी की उम्मीद है, जो पिछले संस्करण की तुलना में लगभग दोगुनी है।

रक्षा उत्पादन विभाग का भारतीय मंडप- एक बड़ा मंडप 2047 के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादों, स्टार्ट-अप और रक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता/आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नवीनतम प्रौद्योगिकी की परिपक्वता को प्रदर्शित करेगा। इसके अलावा, भविष्य की प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार करने वाले देश के स्टार्ट-अप के कौशल को प्रदर्शित करने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए एक विशेष नवाचार (आईडेक्स) मंडप होगा।

पहली बार, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को इस कार्यक्रम में मंडप स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस नई पहल के साथ, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को निवेश आकर्षित करके और स्वदेशी एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण की अपनी क्षमता को बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी

डेफएक्स्पो 2022 में 75 देश भाग लेंगे। रक्षा मंत्री 18 अक्तूबर को दूसरे भारत-अफ्रीका रक्षा संवाद (आईएडीडी) की मेजबानी करेंगे, जबकि हिंद महासागर क्षेत्र प्लस (आईओआर+) सम्मेलन 19 अक्तूबर को होगा। भारत-अफ्रीका रक्षा संवाद के लिए 53 से अधिक अफ्रीकी देशों और आईओआर+ सम्मेलन के लिए 44 देशों को आमंत्रित किया गया है। अफ्रीका और आईओआर+ क्षेत्र के कई रक्षा मंत्रियों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "भारत-अफ्रीका रक्षा संवाद और आईओआर+ कॉन्क्लेव पूरे क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने तथा नई रक्षा और औद्योगिक साझेदारी स्थापित करने के लिए दो अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे।

प्रमुख आकर्षण

साबरमती रिवर फ्रंट पर सभी पांच दिनों में सशस्त्र सेनाओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और उद्योग के उपकरणों एवं कौशल को प्रदर्शित करने वाले सजीव प्रदर्शन सक्रिय भागीदारी और सभी स्तरों पर समन्वित प्रयासों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे। प्रदर्शनों में सारंग कलाबाजी प्रदर्शन, खोज एवं बचाव, कॉम्बैट फ्री फॉल और पैराट्रूपर्स की गतिविधियां शामिल होंगी। पोरबंदर में भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा आमजन के लिए पोत दौरे का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम का एक अन्य आकर्षण आईआईटी दिल्ली स्टार्ट-अप मैसर्स बोटलैब्स द्वारा अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन-शो होगा, जो एक आईडेक्स विजेता है। 19 अक्तूबर को शो के दौरान लगभग 1,600 ड्रोन आसमान को रोशन करेंगे, जो एक सार्वजनिक कार्यक्रम होगा।

पहली बार, भारतीय उद्योग के साथ-साथ विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं द्वारा देश में रक्षा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्षा मंत्रालय का पहला विशाल कार्यक्रम 'रक्षा के लिए निवेश' आयोजित किया जाएगा। इसका शुभारंभ रक्षा मंत्री द्वारा 20 अक्तूबर को किया जाएगा। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रख्यात उद्योगपतियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा क्योंकि वे देश में रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी प्रणाली के विकास की दिशा में सरकार के प्रयासों में

योगदान दे सकते हैं और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' संकल्प का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश में एमएसएमई और स्टार्ट-अप के विकास को बढ़ावा देगा ताकि वे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बन सकें और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकें।

डेफएक्सपो के दौरान पहली बार रक्षा विनिर्माण में उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई है।

संगोष्ठी

कार्यक्रम के दौरान सेमिनार हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किए जाएंगे, जिससे वक्ताओं के साथ-साथ दर्शक भी आभासी रूप से भाग ले सकेंगे। इन्हें रक्षा उत्पादन विभाग के यूट्यूब चैनल पर दुनिया भर में प्रदर्शित/स्ट्रीम किया जाएगा। संगोष्ठियों का आयोजन अग्रणी उद्योग संघों, थिंक टैंकों, भारतीय रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं, सेवा मुख्यालयों (एसएचक्यू), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए), नागरिक उड्डयन मंत्रालय और राज्य सरकारों आदि द्वारा किया जाएगा।

इन संगोष्ठियों में मोटे तौर पर निर्यात, रक्षा स्टार्ट-अप और एमएसएमई में वित्त प्रबंधन और निवेश, एयरोस्पेस विनिर्माण और एमआरओ में एमएसएमई की उभरती भूमिका, रक्षा अनुसंधान एवं विकास में आत्मनिर्भरता, हवाई प्रभुत्व के लिए भविष्य स्वायत्त प्रौद्योगिकियों आदि जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञ विभिन्न सेमिनारों के वक्ता हैं। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेमिनार एक महत्वपूर्ण मंच होगा जो रक्षा क्षेत्र के आगे के विकास के लिए मुख्य बिंदु और कार्य बिंदु प्रदान करेगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई रजनीकांत पटेल; रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट; गुजरात सरकार के उद्योग राज्य मंत्री श्री जगदीशभाई ईश्वरभाई विश्वकर्मा (पांचाल); रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार; गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार और रक्षा मंत्रालय तथा गुजरात सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया।

एबीबी/डीएस